

# **भारत का राजपत्र** **The Gazette of India**

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 85] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 1, 1971/माघ 12, 1892  
 No. 85] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 2, 1971/MAGHA 12, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

**MINISTRY OF PETROLEUM & CHEMICALS AND MINES & METALS**

(Department of Petroleum and Chemicals)

**ORDER**

*New Delhi, the 30th January 1971*  
**ETHYL ALCOHOL (PRICE CONTROL) ORDER 1971**

**S.O. 577.**—In exercise of the powers conferred by section 18G of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and in supersession of the Ethyl Alcohol (Price Control) Order, 1966, the Central Government hereby makes the following order, namely:—

**1. Short title and commencement.**—(1) This Order may be called the Ethyl Alcohol (Price Control) Order, 1971.

(2) It shall come into force at once.

**2. Maximum ex-distillery prices of Ethyl Alcohol.**—After the commencement of this Order, no person shall sell ex-distillery any of the grades of ethyl alcohol (industrial alcohol) specified in column (1) of the Table below at a price exceeding the price specified in the corresponding entry in column (2) thereof.

THE TABLE

(1)	(2)
1. Absolute alcohol conforming to I.S.I. Standard No. 321-1952, naked, for equivalent volume at 100 per cent V/V strength.	Rupees two hundred and fifty and Paise fifty only (Rs. 250.50) per kilo litre.

I

2

2. Rectified spirit conforming to I.S.I. standard No. 323-1959, naked, for equivalent volume at 100 per cent V/V strength.

Rupees two hundred and twenty-seven and Paise seventy-five (Rs. 227.75) per kilo litre.

NOTE.—These prices include six rupees (Rs. 6.00) per kilo litre for putting up adequate storage facilities. This amount shall be separately funded and shall be utilised in accordance with the orders that may be issued for the regulation of such funds.

3. Additional charges in certain cases.—Notwithstanding anything contained in clause 2,—

- (a) (i) a sum not exceeding one hundred and fifty rupees (Rs. 150.00) per kilo litre, based on the actual average cost incurred for the transport of molasses to the distillery, and any octroi duty paid or payable on the molasses, in relation to the previous year, may be charged up to the 31st January, 1971, in addition to the price specified in the said clause.
- (ii) with effect from the 1st February, 1971, a sum not exceeding one hundred rupees (Rs. 100.00) per kilo litre, based on the actual average cost incurred for the transport of molasses to the distillery, and any octroi duty paid or payable on the molasses, in relation to the previous year, may be charged in addition to the price specified in the said clause;
- (b) where alcohol is supplied after denaturation with general or special denaturants in accordance with the specifications prescribed in the excise permit, the actual cost of such denaturants plus—
  - (i) two (2) rupees per kilo litre, if denaturants are supplied by purchasers; and
  - (ii) five (5) rupees per kilo litre in all other cases; may be charged in addition to the price specified in that clause.

4. Authority to determine the additional charges.—(1) In case any doubt or dispute arises as regards the additional charges leviable under clause 3, it shall be decided by the Excise Commissioner of the State where the particular distillery is located.

(2) Before taking the decision referred to in sub-clause (1), the Excise Commissioner shall give adequate opportunity to the parties concerned to present their case.

(3) The Excise Commissioner shall, for the purpose of determining the additional charges, have power to call upon the seller and the buyer to furnish such documentary evidence as may be considered necessary by him for the purpose.

5. The additional charges to be rounded off.—In calculating the additional charges under this Order, any fraction of a Paisa in the total calculated price shall be rounded off to the nearest higher price.

[No. 4/4/70/Ch.I.]

पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय

(पेट्रोलियम तथा रसायन विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1971

एथिल ऐल्कोहल (कीमत नियंत्रण आदेश, 1971)

का० प्रा० 577.—उद्योग (विकास और विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 छ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और एथिल एल्कोहल (कीमत

नियन्त्रण) आदेश, 1966 को अधिकांश करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित आदेश बनाती है, अर्थात् :—

1. सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) यह आदेश एथिल एल्कोहाल (कीमत नियन्त्रण) आदेश, 1971 कहा जा सकेगा ।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा ।

2. एथिल एल्कोहाल की मद्य निर्माण शालों द्वारा पर अधिकतम कीमत :— इस आदेश के प्रारम्भ होने के पश्चात् कोई भी व्यक्ति निम्न सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट एथिल एल्कोहाल (औद्योगिक एल्कोहाल) के किसी ग्रेड का मद्य निर्माणशाला द्वारा पर उसकी स्तम्भ (2) तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट कीमत से अधिक कीमत पर विक्रय नहीं करेगा ।

### सारणी

(1)	(2)
(1) मा० मा० सं० के मानक सं० 321— 1952 के अनुरूप परिशुद्ध एल्कोहाल खुला, 100 प्रतिशत V/V शक्ति के समतुल्य आयतन के लिए ।	केवल दो सौ पचास रुपये और पचास पैसे (250-50) प्रति किलो लिटर ।
(2) मा० मा० सं० के मानक सं० 323—1959 के अनुरूप परिशोधित एल्कोहाल, खुला, 100 प्रतिशत शक्ति के समतुल्य आयतन के लिए :	केवल दो सौ सताईस रुपये और पचहत्तर पैसे (227.75) रु० प्रति किलो लिटर

टिप्पण :—इन कीमतों में पर्याप्त भंडारकरण सुविधा के लिए छह रुपये (6.00 रु०) प्रति किलो लिटर भी सम्मिलित है । यह रकम पृथक् कतः निधि के रूप में रखी जायगी और उन आदेशों के अनुसार प्रयुक्त की जायगी जो ऐसी निधियों के विनियमन के लिए जारी किए जायेंगे ।

3. कतिपय मामलों में अतिरिक्त प्रभार :—खण्ड 2 में किसी बात के होते हुए भी :—

(क) (1) शीरे के मद्य निर्माण शाला तक परिवहन के लिए उपगत वास्तविक औसत लागत पर आधारित कोई राशि जो एक सौ पचास रुपये (150.00 रु०) प्रति किलो लिटर से अधिक न हो और पूर्व वर्ष के सम्बन्ध में शीरे पर संदत्त या संदेय कोई चुंगी उक्त खण्ड में विनिर्दिष्ट कीमत के अतिरिक्त 31 जनवरी, 1971 तक प्रभारित की जा सकेगी ।

(2) प्रथम जनवरी, 1971 से शीरे के मद्य निर्माण शाला तक परिवहन के लिए उपगत वास्तविक औसत लागत पर आधारित कोई राशि जो एक सौ रुपये (100.00 रु०) प्रति किलो लिटर से अधिक न हो और पूर्व वर्ष के सम्बन्ध में शीरे पर संदत्त या संदेय कोई चुंगी उक्त खण्ड में विनिर्दिष्ट कीमत के अतिरिक्त प्रभारित की जा सकेगी ।

(ख) जहां एल्कोहल उत्पादशुल्क अनुशा पत्र में विहित विनिर्देशों के अनुसार साधारण या विशेष विकृतिकारकों के साथ विकृति करण के पश्चात् प्रदाय किया जाता है वहां ऐसे विकृतिकारकों की वास्तविक लागत तथा—

(1) दो (2) रुपए प्रति किलो लिटर यदि विकृति कारक क्रेताओं द्वारा प्रदाय किए जाते हैं; और

(2) अन्य सभी मामलों में पांच (5) रुपए प्रति किलो लिटर, उस खण्ड में विनिर्दिष्ट कीमत के अतिरिक्त प्रभारित किया जा सकेगा।

4. अतिरिक्त प्रभार को अवधारित करने वाला प्राधिकारी—(1) यदि खण्ड 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त प्रभार के सम्बन्ध में कोई सन्देह या विवाद उत्पन्न होता है तो यह उस राज्य के उत्पादशुल्क आयुक्त द्वारा विनिश्चित किया जायगा जिसमें विशिष्ट मद्य निर्माणशाला अवस्थित है।

(2) उपखण्ड (1) में निर्दिष्ट विनिश्चय करने से पूर्व उत्पाद शुल्क आयुक्त सम्बन्धित पक्षकारों को अपना-अपना पक्षकथन करने का पर्याप्त अवसर देगा।

(3) उत्पाद शुल्क आयुक्त को, अतिरिक्त प्रभारों के अवधारण के प्रयोजन के लिए विक्रेता और क्रेता से ऐसे दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए, जो उनके द्वारा इस प्रयोजन के लिए आवश्यक समझे जाएं, अपेक्षा करने की शक्ति होगी।

5. अतिरिक्त प्रभारों को पूर्णांकित करना—इस आदेश के अधीन अतिरिक्त प्रभारों की संगणना करने में कुल संगणित कीमत में पैसे की कोई भिन्न निकटतम उच्चतर कीमत में पूर्णांकित की जायगी।

[सं० 4/4/70-रसायन]

**S.O. 578.**—In exercise of the powers conferred by section 18G of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following Order to amend the Molasses Control Order, 1961, namely:—

1. (1) This order may be called the Molasses Control (Amendment) Order, 1971.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Molasses Control Order, 1961;—

(i) for clause 3, the following clause shall be substituted, namely:—

“3. *Restrictions on Sale.*—Every owner of a sugar factory shall notwithstanding any contract to the contrary, sell 80 per cent (eighty per cent) of the entire quantity, or such portion thereof, of molasses produced by him or held in stock by him, to any person or persons, as may be specified by general or special order in each case by the Molasses Controller, and shall not dispose of such molasses in any other manner.”

(ii) for clause 7, the following clause shall be substituted, namely:—

“7. *Maximum Price at which Molasses may be sold.*—(1) 20 per cent (twenty per cent) of the molasses of the grades specified in column 1 of the Schedule appended hereto shall not come within the purview of the price control detailed under the following sub-clauses.—

(2) For the remaining 80 per cent of the production of molasses of the grades specified in column 1 of the Schedule appended hereto—

(a) no molasses, other than that which may be specifically released by the Molasses Controller for purposes of export, shall be sold at a price higher than that specified in column 2 thereof;

- (b) no molasses specifically released by the Molasses Controller to any exporter of molasses shall be sold at a price higher than Rs. 6.50 per 100 kgs. F.O.B. Indian Port.

NOTE.—The price fixed in the schedule is exclusive of any excise duty or cess that may be levied under any law but includes cost of loading the molasses in tank wagons or tank lorries as may be arranged between the owner of a sugar factory and the purchaser."

[No. 4/4/70/Ch.I.]

M. RAMAKRISHNAYYA, Jt. Secy.

का० आ० 578—उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18छ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा शीरा नियंत्रण आदेश, 1961 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) यह आदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) आदेश, 1971 कहा जा सकेगा।

(2) यह शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।

2. शीरा नियंत्रण आदेश, 1961 में:—(1) खण्ड 3 के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—“3 विक्रय पर निर्बंधन :—चीनी कारखाने का हर एक स्वामी, किसी प्रतिकूल संविधा के होते हुए भी, उसके द्वारा उत्पादित या स्टॉक में धारित सम्पूर्ण मात्रा का 80 (अस्सी प्रतिशत) या उसका ऐसा भाग जो प्रत्येक मामले में शीरा नियंत्रक द्वारा किसी साधारण या विशेष आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, किसी व्यक्ति या किन्हीं व्यक्तियों को विक्रय कर सकेगा और ऐसे शीरे का किसी अन्य रीति से व्यय नहीं करेगा।

(11) खण्ड 7 के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“7 अधिहतम कीमत जिस पर शीरा विक्रय किया जा सकेगा :—(1) इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट ग्रेड के शीरे का 20% (बीस प्रतिशत) निम्नलिखित खण्डों के अधीन वर्णित कीमत नियंत्रण के क्षेत्र में नहीं आयेगा।

(2) इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट ग्रेड के शीरे के शेष 80% उत्पादन के लिए —

(क) उस शीरे से भिन्न शीरा जो शीरा नियंत्रक द्वारा निर्यात के प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट: उन्मोचित किया जाय, उस कीमत से अधिक कीमत पर विक्रय नहीं किया जायेगा जो उसके स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट है ;

(ख) कोई भी शीरा जो शीरा नियंत्रक द्वारा किसी शीरा निर्यातकर्ता को विनिर्दिष्ट: उन्मोचित किया गया है, 6.50 रु० प्रति 100 किलोग्राम से अधिक कीमत पर, पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य, भारतीय पसन, विक्रय नहीं किया जायेगा।

टिप्पण :—अनुसूची में नियत कीमत में कोई उत्पादशुल्क या उपकर जो किसी विधि के अधीन उद्घूषित किया जा सकता है, सम्मिलित नहीं है किन्तु इसमें शीरे के टैंक द्रव्यों या टैंक लारियों में लदान लागत, जो चीनी कारखाने के स्वामी और क्रेता के बीच तय की जाय, सम्मिलित है ।

[सं० 4/4/70—रसायन 1.]

रामकृष्णदास, संयुक्त सचिव ।